

Twentysecond Convocation held on January 20, 1989

Professor Yash Pal,
Chairman,
University Grants Commission

The Address was presented without a text and extempore.

शुभकामनाओं के साथ ही मैंने अपने संबोधन का समापन किया।

आपका आभार।

आज के दिन मैंने आपको संबोधित करने का अवसर प्राप्त किया। आपका समय और ध्यान कृतज्ञता के साथ ही मैंने अपने संबोधन का समापन किया।

आपका आभार।

आपका आभार।

आपका आभार।

आपका आभार।

आपका आभार।

आपका आभार।

(संभवतः १९९०)

आज एक ही विषय पर मैंने आपको संबोधित करने का अवसर प्राप्त किया। आपका समय और ध्यान कृतज्ञता के साथ ही मैंने अपने संबोधन का समापन किया।